भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2940 का उत्तर

त्रिपुरा में रेल संपर्क

2940. श्रीमती कृति देवी देबबर्मन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भूस्थलीय राज्य त्रिपुरा, जो माल और यात्री परिवहन के लिए रेलवे पर अत्यधिक निर्भर है, के रेल संपर्क में सुधार के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) बाढ़ और भूस्खलन के कारण बार-बार होने वाले व्यवधानों को ध्यान में रखकर अधिक लोचशील और निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का बांग्लादेश होते हुए अगरतला और कोलकाता के बीच, विशेषकर अगरतला-अखौरा रेल लाइन परियोजना के माध्यम से रेल संपर्क में सुधार करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): त्रिपुरा पहले से ही भारतीय रेल के रेल नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। त्रिपुरा के लिए रेल संपर्कता को बेहतर बनाने के लिए, त्रिपुरा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली निम्नलिखित परियोजनाएं पूरी की गई हैं:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपये में)
1.	अगरतला - सबरूम नई लाइन (112 कि.मी.)	3170
2.	लामडिंग - बदरपुर - कुमारघाट आमान परिवर्तन (244 कि.मी.)	6500
3.	कुमारघाट - अगरतला नई लाइन (107 कि.मी.)	1242

त्रिपुरा राज्य में अतिरिक्त रेल अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए चंद्रनाथपुर - अगरतला दोहरीकरण (244 कि.मी.) और जिराणीया - बोधजंग नगर (14 कि.मी.) नई लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण भी स्वीकृत कर दिया गया है।

कोलकाता और अगरतला पहले ही न्यू फरक्का, न्यू जलपाईगुड़ी, गुवाहाटी और लामडिंग के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

बांग्लादेश के रास्ते, अगरतला और कोलकाता के बीच अतिरिक्त संपर्कता उपलब्ध कराने और दोनों देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए, अगरतला-अखौरा (12 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजना स्वीकृत की गई है। परियोजना के भारतीय भाग का संरेखण अगरतला रेलवे स्टेशन से निश्चिंतपुर (5.46 किलोमीटर) तक है, जिसे कमीशन कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, बांग्लादेश में रेलपथ के उन्नयन के बाद बांग्लादेश के रास्ते त्रिपुरा तक संपर्कता में सुधार हो सकता है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र

पिछले पाँच वर्षों के दौरान बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। त्रिपुरा राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	2,122 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2025-26	10,440 करोड़ रुपए (लगभग 5 गुना)

2009-14 और 2014-25 के दौरान त्रिपुरा राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किया गया नया रेलपथ	कमीशन किए गए नए रेलपथ की औसत लंबाई
2009-14	333 किमी	66.6 किलोमीटर प्रति वर्ष
2014-25	1,840 किमी	167.27 किलोमीटर प्रति वर्ष (लगभग 2.5 गुना)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, त्रिपुरा राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 777 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली 12 रेल परियोजनाओं (08 नई लाइनें, 04 दोहरीकरण) को स्वीकृति दी गई है, जिनकी लागत 69,342 करोड़ रुपये है। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	08	448	113	38,078
दोहरीकरण/बहुपथन	04	329	165	3,698
कुल	12	777	278	41,676

2014 से कमीशन की गई त्रिपुरा राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	अगरतला- सबरूम नई लाइन (112 कि.मी.)	3170
2.	अगरतला- अकौरा नई लाइन (5 कि.मी.)	865
3.	रांगिया- मुरकोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510 कि.मी.)	3019
4.	कुमारघाट-अगरतला आमान परिवर्तन (109 कि.मी.)	1242
5.	लमडिंग-बदरपुर-सिलचर एवं बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन (412 किलोमीटर)	6500
6.	लामडिंग- होजाई दोहरीकरण (45 कि.मी.)	410
7.	दिगारू-होजाई दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1873
8.	न्यू बोंगाईगांव-अगथोरी दोहरीकरण (143 कि.मी.)	2048
9.	बोगीबील पुल (92 कि.मी.)	5820

त्रिपुरा राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	जिरीबाम-इम्फाल नई लाइन (111 किमी)	21886
2.	दीमापुर-कोहिमा नई लाइन (82 किमी)	15230
3.	मुरकोंगसेलेक-पासीघाट नई लाइन (27 किलोमीटर)	1249
4.	न्यू बोंगाईगांव- गोलपारा-गुवाहाटी (कामाख्या) दोहरीकरण	4962

	(176 किलोमीटर)	
5.	सरायघाट पुल दोहरीकरण (7 किमी)	1474
6.	कामाख्या गुवाहाटी तीसरी लाइन (6 किमी)	395
7.	लामडिंग - फुर्कटिंग दोहरीकरण (140 किमी)	2124
8.	फुर्कटिंग - तिनसुकिया दोहरीकरण (194 किमी)	3634

इसके अतिरिक्त, पिछले तीन वर्षों, अर्थात् वित्त वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, त्रिपुरा राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 1804 किलोमीटर लंबाई के 18 सर्वेक्षण (14 नई लाइन और 4 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजनाओं का पूरा होना निम्नलिखित कारकों पर निर्भर करती हैं जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी साधनों का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां

- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना विशेष स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि**

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में निम्नानुसार शामिल हैं:

- **निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।**
- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।**
- **भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंज़ूरियों में तेज़ी लाने और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।**

******